

भारत का भूगोल

INDIA GEOGRAPHY



**NEW INDIA
EDUCATION (NIEd)**

— संकल्प आपका, साथ हमारा —

मानचित्र,
तथ्य और विश्लेषण
के साथ



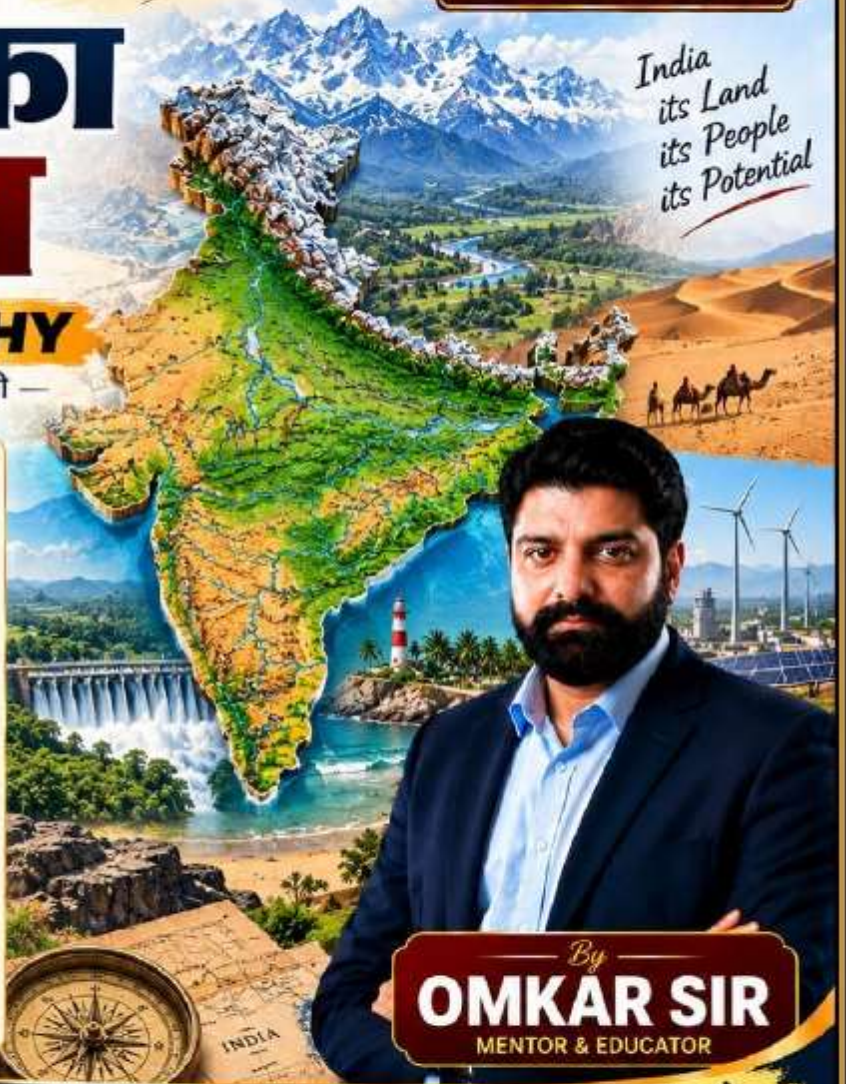
भारत का भूगोल

INDIA GEOGRAPHY

— समग्र, सरल और परीक्षा उन्मुख अध्ययन सामग्री —

CHAPTERS

- | | | |
|----|--|----------------------------------|
| 01 | | भारत — परिचय, स्थिति एवं विस्तार |
| 02 | | भारत का भौतिक स्वरूप |
| 03 | | भारत का अपवाह तंत्र |
| 04 | | भारत की झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ |
| 05 | | भारत की जलवायु, मानसून एवं वर्षा |
| 06 | | भारत की प्राकृतिक वनस्पति |
| 07 | | भारत की मृदा |
| 08 | | जल संसाधन एवं सिंचाई |
| 09 | | कृषि एवं फसलें |
| 10 | | खनिज संसाधन |
| 11 | | ऊर्जा संसाधन |
| 12 | | भारत के उद्योग |
| 13 | | भारत की जनसंख्या |



By
OMKAR SIR
MENTOR & EDUCATOR

भूगोल से
भारत को समझें,
भारत को जानें



Concept
Based Notes



Maps, Diagrams
& Infographics



Exam-Oriented
Facts & Analysis



Current Updates
& Interlinkages



Lucid Language
& Easy Explanation

NCERT

RBSE

संदर्भ पुस्तकें

PYQs

के निचोड़ से तैयार — सरल, समग्र एवं प्रामाणिक अध्ययन सामग्री

ओंकार सर | न्यू इंडिया एजुकेशन

अध्याय	मुख्य खंड
	राष्ट्रीय जलमार्ग एवं तीस्ता नदी-अपहरण की कहानी • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ — कठिन शब्दों को आसान भाषा में • महत्वपूर्ण संख्याएँ — एक नज़र में
4. भारत की झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ	झील की अवधारणा एवं उत्पत्ति के आधार पर विस्तृत वर्गीकरण • भारत की प्रमुख मीठे पानी की झीलें — राज्यवार पूर्ण तालिका • भारत की प्रमुख खारे/लवणीय पानी की झीलें — राज्यवार तालिका • गोखुर (Oxbow) एवं प्रमुख कृत्रिम झीलें — राज्यवार तालिका • भारत की झीलों से जुड़े महत्वपूर्ण सर्वोच्च (Superlative) तथ्य • राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (National Lake Conservation Plan — NLCP) • हिमानी झील प्रकोप बाढ़ (Glacial Lake Outburst Floods — GLOF) • आर्द्रभूमि (Wetland) — अवधारणा एवं प्रकार • रामसर सम्मेलन एवं भारत के रामसर स्थल — 2026 की ताज़ा स्थिति • भारत के प्रमुख रामसर-स्थलों की झीलें — चुनिंदा सूची • झीलों व आर्द्रभूमियों के समक्ष चुनौतियाँ एवं संरक्षण के प्रयास • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
5. भारत की जलवायु, मानसून एवं वर्षा	जलवायु व मौसम — अंतर एवं भारत की जलवायु का मानसूनी स्वरूप • जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारक — स्थिति एवं उच्चावच संबंधी • जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारक — वायुदाब एवं पवन संबंधी • जेट स्ट्रीम — अवधारणा, प्रकार एवं भारत पर प्रभाव • वैश्विक वायु परिसंचरण की प्रमुख परिघटनाएँ — वॉकर परिसंचरण, अल-नीनो, ला-नीना • हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) एवं मैडेन-जूलियन दोलन (MJO) • भारत की ऋतुएँ — मौसम-वैज्ञानिक वर्गीकरण (चार ऋतुएँ) • शीत ऋतु — दाब-पवन तंत्र, पश्चिमी विक्षोभ एवं शीत लहर • ग्रीष्म ऋतु — दाब-पवन तंत्र एवं स्थानीय तूफान • दक्षिण-पश्चिम मानसून — आगमन एवं क्रियाविधि • मानसून की शाखाएँ — अरब सागर शाखा एवं बंगाल की खाड़ी शाखा • मानसून में विराम (ब्रेक) एवं मानसून-वापसी ऋतु • वर्षा का प्रादेशिक वितरण • वर्षा की परिवर्तनशीलता एवं बदलता वर्षा-प्रारूप • पारंपरिक भारतीय ऋतु-चक्र (षड्ऋतु) • कोपेन वर्गीकरण के अनुसार भारत के जलवायु प्रदेश • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
6. भारत की प्राकृतिक वनस्पति	प्राकृतिक वनस्पति — अर्थ एवं इसे प्रभावित करने वाले कारक • भारतीय वनों का वर्गीकरण — पाँच प्रमुख प्रकार • मैंग्रोव (तटीय एवं दलदली) वन — विशेष अध्ययन • भारत का वन आवरण — ISFR 2023 के वर्तमान आँकड़े • वन प्रशासनिक वर्गीकरण एवं सामाजिक वानिकी • पवित्र उपवन (Sacred Groves) एवं औषधीय पौधे • जैवमंडल निचय (Biosphere Reserves) • वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 — अनुसूचियाँ एवं 2022 संशोधन • वन्यजीव संरक्षण हेतु संस्थाएँ एवं अन्य विधिक प्रावधान • CITES एवं IUCN रेड लिस्ट — संरक्षण की अंतरराष्ट्रीय श्रेणियाँ • राष्ट्रीय उद्यान (प्रमुख तालिका) एवं वन्यजीव संरक्षण परियोजनाएँ • वनोन्मूलन के कारण, प्रभाव एवं संरक्षण के उपाय • सावधानी बिंदु — ध्यान रखने योग्य तथ्य • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
7. भारत की मृदा	मृदा — अर्थ, महत्व एवं संघटन • मृदा-निर्माण एवं उसे प्रभावित करने वाले कारक • मृदा परिच्छेदिका (Soil Profile) एवं संस्तर • मृदा-निर्माण की प्रक्रियाएँ एवं विश्व की प्रमुख मृदाएँ • भारतीय मृदाओं का वर्गीकरण — ICAR एवं USDA पद्धति • जलोढ़ मृदा (Alluvial Soil) • काली (रेगुर) मृदा (Black Soil) • लाल एवं पीली मृदा (Red and Yellow Soil) • लैटेराइट मृदा (Laterite Soil) • शुष्क (मरुस्थलीय) मृदा (Arid Soil) • लवणीय, क्षारीय एवं अम्लीय मृदा • पीट (दलदली) मृदा, वन/पर्वतीय मृदा एवं करेवा • मृदाओं का तुलनात्मक सारणीबद्ध सारांश एवं मानचित्र • मृदा अपरदन — कारण, प्रकार एवं प्रभावित क्षेत्र • मृदा संरक्षण की विधियाँ • मृदा निम्नीकरण एवं मरुस्थलीकरण • सरकारी योजनाएँ, दिवस एवं शोध संस्थान • सावधानी बिंदु — ध्यान रखने योग्य तथ्य • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
8. जल संसाधन एवं सिंचाई	भारत के जल संसाधन — उपलब्धता एवं उपयोग • सतही जल एवं नदी द्रोणियाँ • भूमि जल — स्थिति एवं संकट • जल-अभाव — कारण, संकेतक एवं प्रभाव • सिंचाई — आवश्यकता, वर्गीकरण एवं विस्तार • सिंचाई के साधन — नहर, कुआँ-नलकूप, तालाब • भारत की प्रमुख नहरें • सूक्ष्म सिंचाई एवं जल-उपयोग दक्षता • बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ • प्रमुख बाँध एवं परियोजनाएँ — राज्यवार सारणी • बाँधों के लाभ, आलोचना एवं बाँध सुरक्षा • नदी-जोड़ परियोजनाएँ • अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय जल विवाद व संधियाँ • जल गुणवत्ता एवं प्रदूषण • वर्षा-जल संचयन एवं पारंपरिक जल संरक्षण • जलग्रहण प्रबंधन एवं सफल सामुदायिक प्रयास • जल-नीतियाँ, योजनाएँ एवं अभियान • सावधानी बिंदु — ध्यान रखने योग्य तथ्य • महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
9. कृषि एवं फसलें	भारत में कृषि — महत्व एवं वर्तमान स्थिति • भूमि उपयोग वर्गीकरण एवं शस्य गहनता • कृषि जोत — आकार एवं वितरण • कृषि-जलवायु एवं कृषि-पारिस्थितिक प्रदेश • कृषि के प्रकार एवं पारंपरिक कृषि प्रणालियाँ • फसल

अध्याय 0

भारत का भूगोल — परिचय, पाठ्यक्रम एवं विषय-सूची

भूगोल का अर्थ व शाखाएँ, भारत एक दृष्टि में, प्रतियोगी परीक्षाओं के भारत-भूगोल पाठ्यक्रम का अध्यायवार मिलान तथा तेरह अध्यायों की संपूर्ण विषय-सूची

उत्तर में सियाचिन की बर्फीली चोटियाँ, जहाँ तापमान शून्य से 50 डिग्री नीचे चला जाता है; पश्चिम में थार के धोरे, जहाँ पारा 50 डिग्री छूता है; पूर्व में मेघालय का मौसिनराम, जहाँ साल भर में ग्यारह मीटर से अधिक वर्षा होती है; और दक्षिण में कन्याकुमारी, जहाँ तीन सागर मिलते हैं — इतनी विविधता किसी एक देश में शायद ही कहीं मिले। इसीलिए भारत को 'उपमहाद्वीप' कहा जाता है। भारत का भूगोल केवल पहाड़ों, नदियों और मानचित्रों का विषय नहीं है — यह बताता है कि पंजाब में गेहूँ और केरल में नारियल क्यों होता है, जमशेदपुर में इस्पात और सूरत में हीरा क्यों तराशा जाता है, और गंगा के मैदान में इतनी घनी आबादी क्यों बसी है। यह अध्याय पूरी श्रृंखला का प्रवेश-द्वार है — इसमें भूगोल की मूल समझ, भारत की एक झलक, पाठ्यक्रम का अध्यायवार मिलान और तेरह अध्यायों की संपूर्ण विषय-सूची एक साथ दी गई है।

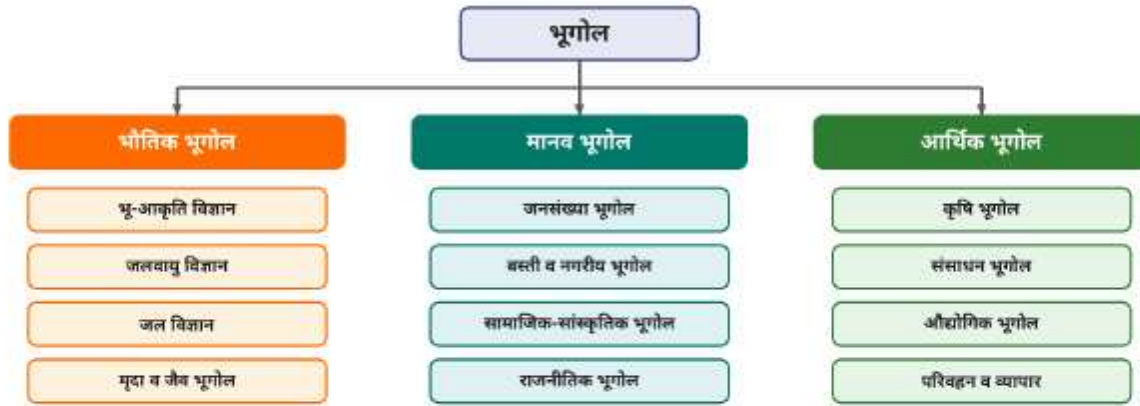
इस अध्याय में क्या-क्या पढ़ेंगे

1. भूगोल — अर्थ, प्रकृति एवं शाखाएँ
2. भारत — एक दृष्टि में
3. भारत के भौतिक विभाग — एक झलक
4. श्रृंखला की रूपरेखा — भूमि से लोगों तक
5. भारत के भूगोल का पाठ्यक्रम — प्रमुख विषय-क्षेत्र एवं अध्याय
6. पाठ्यक्रम आवरण तालिका — कौन-सा अध्याय, कहाँ उपयोगी
7. संपूर्ण विषय-सूची — तेरह अध्याय
8. इन नोट्स में प्रयुक्त बॉक्स एवं चिह्न

1. भूगोल — अर्थ, प्रकृति एवं शाखाएँ

'भूगोल' शब्द 'भू' (पृथ्वी) और 'गोल' (गोलाकार) से बना है। अंग्रेज़ी शब्द 'ज्योग्राफी' यूनानी शब्दों 'ज्यो' (पृथ्वी) और 'ग्राफीन' (वर्णन करना) से बना है, जिसका प्रयोग सबसे पहले यूनानी विद्वान इरैटोस्थनीज़ ने किया — इसलिए उन्हें 'भूगोल का जनक' कहा जाता है। भूगोल पृथ्वी की सतह पर पाई जाने वाली प्राकृतिक और मानवीय घटनाओं के स्थानिक वितरण तथा उनके पारस्परिक संबंधों का अध्ययन है। यह 'क्या है' के साथ-साथ 'कहाँ है' और 'वहीं क्यों है' — इन प्रश्नों का उत्तर देता है।

भूगोल की प्रमुख शाखाएँ



प्रादेशिक भूगोल — किसी एक क्षेत्र (जैसे भारत या गंगा का मैदान) का इन सभी दृष्टियों से समग्र अध्ययन

चित्र 0.1: भूगोल की शाखाएँ — भौतिक, मानव व आर्थिक भूगोल मिलकर किसी प्रदेश का समग्र चित्र बनाते हैं।

क्रमबद्ध (विषयगत) उपागम	प्रादेशिक उपागम
किसी एक तत्व (जैसे जलवायु या मृदा) का पूरे क्षेत्र में अध्ययन	किसी एक प्रदेश का सभी तत्वों के साथ समग्र अध्ययन
जर्मन भूगोलवेत्ता अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट से जुड़ा	कार्ल रिटर से जुड़ा
इस श्रृंखला के अधिकांश अध्याय इसी क्रम में — एक-एक तत्व	जैसे 'उत्तर का विशाल मैदान' या 'थार मरुस्थल' का सभी तत्वों सहित अध्ययन

शब्द: स्थानिक वितरण (Spatial Distribution)

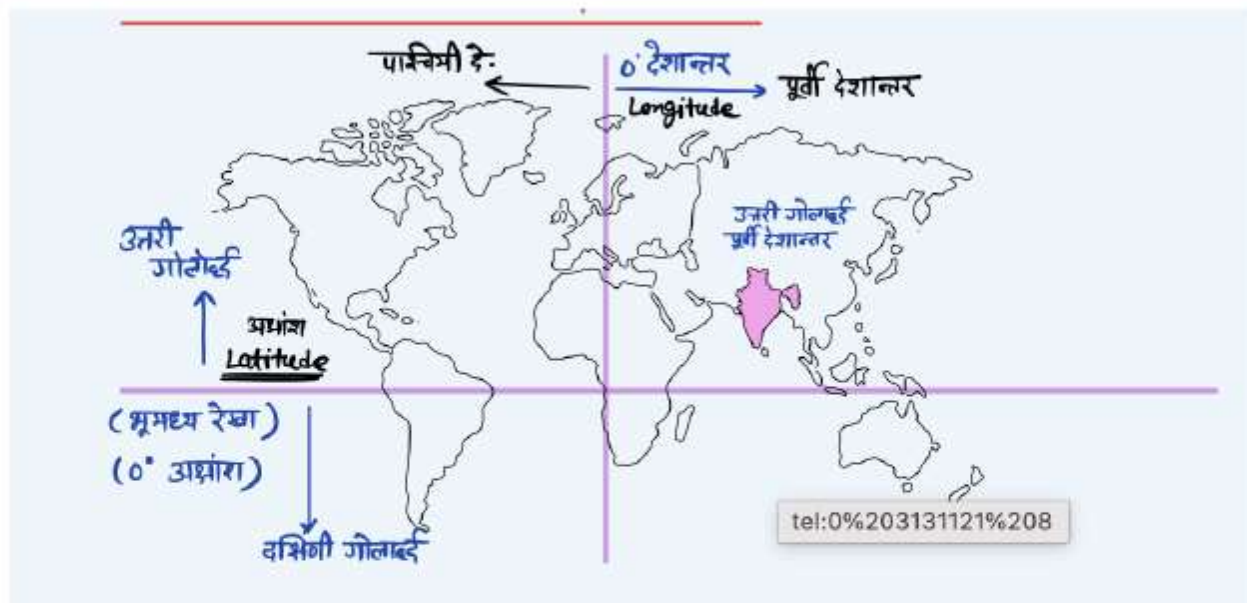
तकनीकी अर्थ: किसी वस्तु, घटना या विशेषता का पृथ्वी की सतह पर अलग-अलग स्थानों में फैलाव का प्रतिरूप — कहाँ अधिक, कहाँ कम और क्यों।

आसान भाषा में: भूगोल हर चीज़ से पूछता है — 'तुम यहीं क्यों हो, कहीं और क्यों नहीं?'

उदाहरण: काली मृदा दक्कन के लावा क्षेत्र में ही क्यों है, और कपास की खेती भी वहीं क्यों केंद्रित है — यही स्थानिक वितरण और उसका संबंध है।

New India Education by Omkar Sir

2. भारत — एक दृष्टि में



चित्र 0.2: विश्व में भारत की स्थिति

पक्ष	तथ्य	पक्ष	तथ्य
क्षेत्रफल	32,87,263 वर्ग किमी — विश्व का लगभग 2.4%	क्षेत्रफल में विश्व में स्थान	सातवाँ
अक्षांशीय विस्तार (मुख्य भूमि)	8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर	देशांतरीय विस्तार	68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व
उत्तर-दक्षिण लंबाई	3,214 किमी	पूर्व-पश्चिम चौड़ाई	2,933 किमी
स्थलीय सीमा	लगभग 15,200 किमी	तटरेखा (नया मापन)	11,098.81 किमी
कर्क रेखा	8 राज्यों से होकर	मानक याम्योत्तर	82°30' पूर्व — मिर्ज़ापुर के निकट
राज्य / केंद्रशासित प्रदेश	28 / 8	जनसंख्या	121.09 करोड़ (2011); लगभग 146 करोड़ (2025 अनुमान) — विश्व में प्रथम

ध्यान दें: भारत की तटरेखा पहले 7,516.6 किमी मानी जाती थी; नई वैज्ञानिक पद्धति से पुनर्मापन के बाद यह 11,098.81 किमी मानी गई है। क्षेत्रफल में सबसे बड़ा राज्य राजस्थान और सबसे छोटा गोवा है; क्षेत्रफल में सबसे बड़ा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख है।

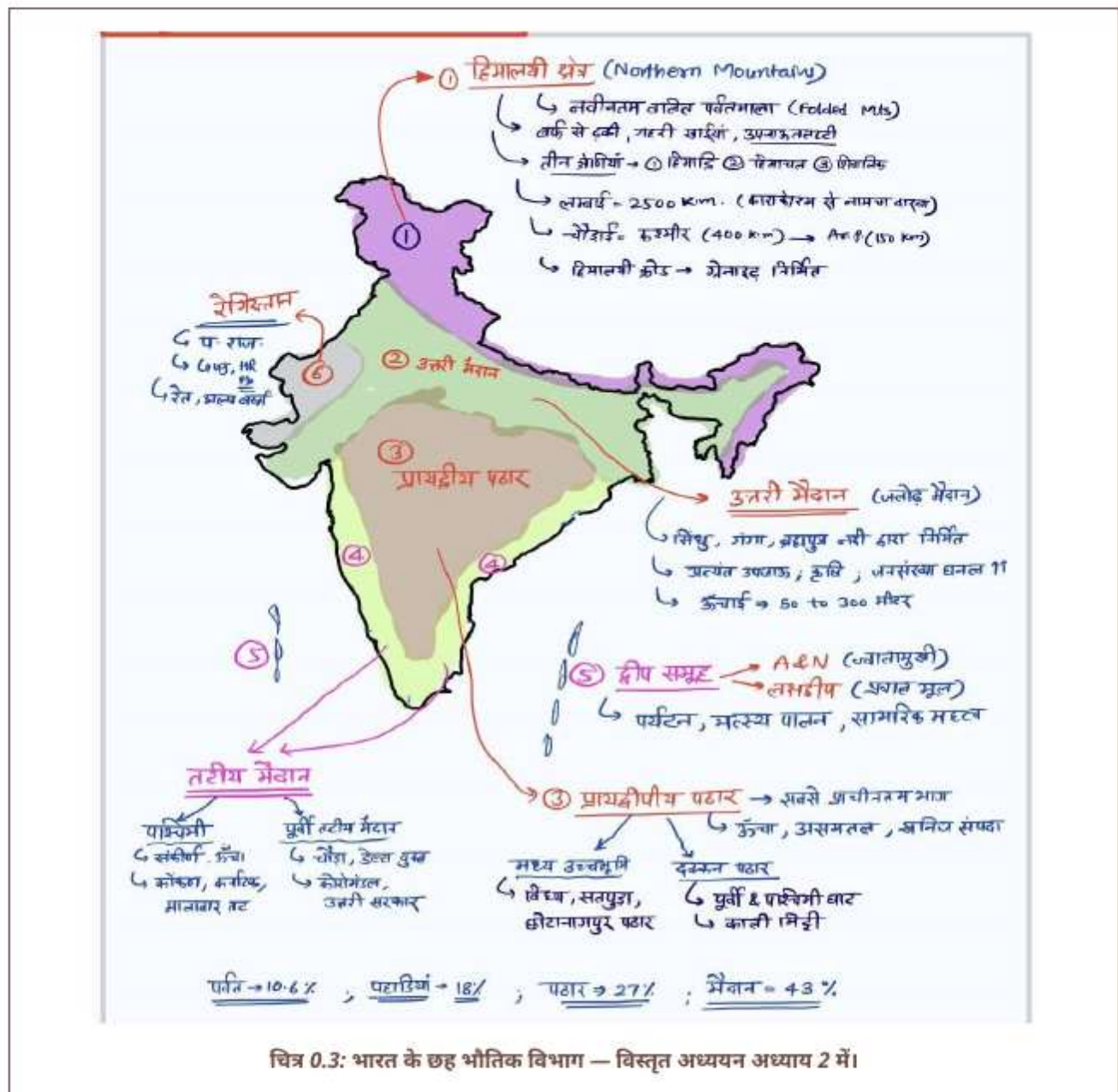
“उत्तर दिशा में देवताओं की आत्मा के समान पर्वतों का राजा हिमालय स्थित है।”

— महाकवि कालिदास, कुमारसंभवम् (अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः)

3. भारत के भौतिक विभाग — एक झलक

भूवैज्ञानिक संरचना और उच्चावच के आधार पर भारत को छह भौतिक विभागों में बाँटा जाता है — उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र (हिमालय), उत्तर का विशाल मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरुस्थल, तटीय मैदान और द्वीप समूह। ये विभाग ही आगे चलकर

नदियों, जलवायु, मृदा, वनस्पति, कृषि, खनिज और जनसंख्या के वितरण को तय करते हैं — इसलिए पूरी श्रृंखला की कुंजी यही है।

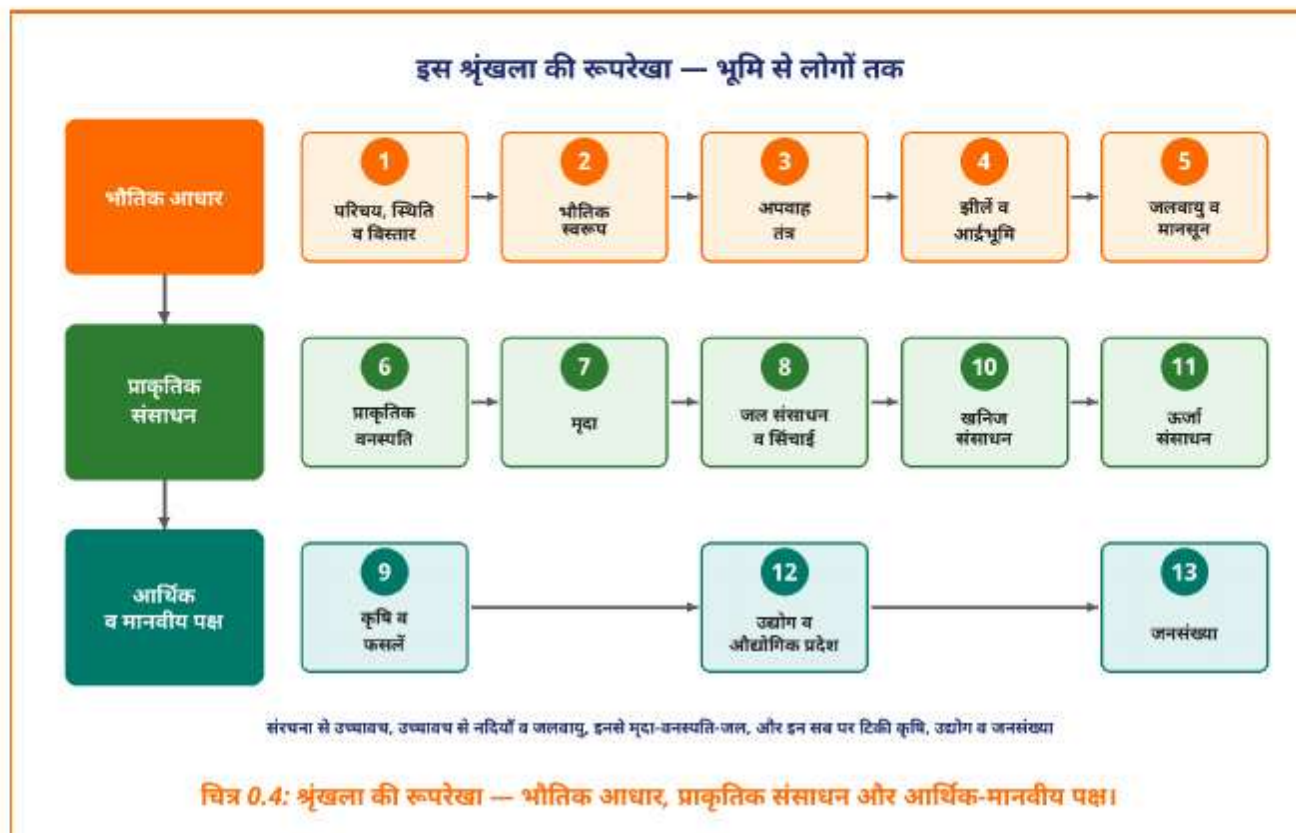


चित्र 0.3: भारत के छह भौतिक विभाग — विस्तृत अध्ययन अध्याय 2 में।

भौतिक विभाग	मुख्य विशेषता	किससे जुड़ा
हिमालय	नवीन वलित पर्वत; हिमनद, दर्रे, घाटियाँ	सदावाहिनी नदियाँ, मानसून का अवरोध, जलविद्युत
उत्तर का विशाल मैदान	सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र की जलोढ़ मिट्टी से बना	सघन कृषि व सघन जनसंख्या
प्रायद्वीपीय पठार	सबसे प्राचीन व स्थिर भूखंड	खनिज संपदा, काली मृदा, उद्योग
भारतीय मरुस्थल (थार)	शुष्क, बालुका स्तूप	राजस्थान; सौर-पवन ऊर्जा
तटीय मैदान	पश्चिमी संकरा, पूर्वी चौड़ा व डेल्टाई	बंदरगाह, मत्स्यन, नारियल
द्वीप समूह	अंडमान-निकोबार (ज्वालामुखीय) व लक्षद्वीप (प्रवाल)	सामरिक महत्व, समुद्री संसाधन

4. श्रृंखला की रूपरेखा — भूमि से लोगों तक

इन तेरह अध्यायों का क्रम एक तर्कसंगत कहानी की तरह बुना गया है — पहले भूमि की संरचना और उसका स्वरूप, फिर उस पर बहने वाली नदियाँ और छाई रहने वाली जलवायु, फिर उनसे बनने वाले प्राकृतिक संसाधन (वनस्पति, मृदा, जल, खनिज, ऊर्जा), और अंत में इन संसाधनों पर टिकी मानवीय गतिविधियाँ (कृषि, उद्योग) तथा स्वयं मनुष्य (जनसंख्या)।



5. भारत के भूगोल का पाठ्यक्रम — प्रमुख विषय-क्षेत्र एवं अध्याय

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) तथा विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों (State PSC) की प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षाओं में 'भारत का भूगोल' के अंतर्गत लगभग एक जैसे विषय-क्षेत्र निर्धारित हैं — भौतिक स्वरूप, अपवाह, जलवायु, प्राकृतिक संसाधन, कृषि, उद्योग और जनसंख्या। प्रारंभिक परीक्षा में इन्हीं से तथ्यात्मक व अवधारणात्मक वस्तुनिष्ठ प्रश्न आते हैं, जबकि मुख्य परीक्षा में कारण-प्रभाव, वितरण और समस्याओं पर वर्णनात्मक उत्तर लिखने होते हैं। नीचे प्रत्येक विषय-क्षेत्र के सामने वे अध्याय व खंड दिए गए हैं जिनमें उसका विस्तृत अध्ययन है।

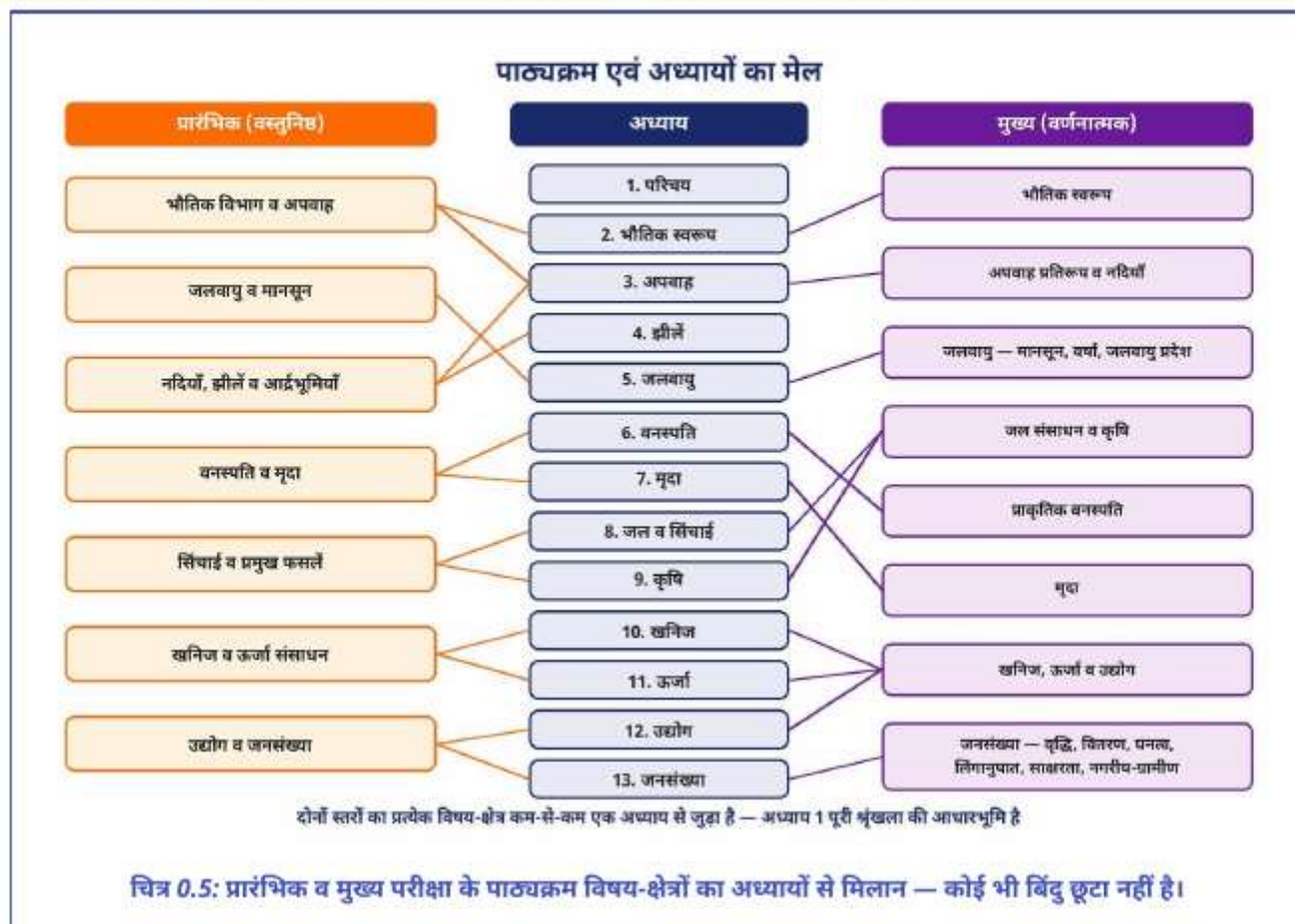
पाठ्यक्रम का विषय-क्षेत्र	अध्याय	मुख्य खंड
भारत — स्थिति, विस्तार एवं सीमाएँ	1	अक्षांशीय-देशांतरीय विस्तार; मानक समय; स्थलीय व जलीय सीमाएँ; पड़ोसी देश; तटरेखा; द्वीप समूह; राज्य व केंद्रशासित प्रदेश
भौतिक स्वरूप / भौतिक विभाग (Physiography)	2	भूगर्भिक संरचना; छह भौतिक प्रदेश — हिमालय, उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, थार, तटीय मैदान, द्वीप; दर्रे, हिमनद, चोटियाँ
अपवाह तंत्र एवं प्रमुख नदियाँ (Drainage)	3	अपवाह प्रतिरूप; सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र तंत्र; पूर्ववाही-पश्चिमवाही प्रायद्वीपीय नदियाँ; जलप्रपात; नदी जल विवाद; नदी-जोड़ परियोजना
झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ (Lakes and Wetlands)	4	झीलों का वर्गीकरण; राज्यवार मीठे व खारे पानी की झीलें; आर्द्रभूमि; रामसर स्थल; GLOF; संरक्षण
जलवायु — मानसून, वर्षा का वितरण, जलवायु प्रदेश (Climate)	5	नियंत्रक कारक; जेट स्ट्रीम; अल-नीनो; मानसून की क्रियाविधि, विराम व वापसी; ऋतुएँ; वर्षा वितरण; कोपेन वर्गीकरण

पाठ्यक्रम का विषय-क्षेत्र	अध्याय	मुख्य खंड
प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्यजीव (Natural Vegetation)	6	वनो के प्रकार; मैग्रोव; वन आवरण; जैवमंडल निचय; राष्ट्रीय उद्यान; वन्यजीव संरक्षण
मृदा (Soils)	7	मृदा निर्माण व परिच्छेदिका; प्रमुख मृदा प्रकार; अपरदन व संरक्षण; मरुस्थलीकरण; मृदा स्वास्थ्य
जल संसाधन एवं सिंचाई (Water Resources and Irrigation)	8	सतही व भूमि जल; सिंचाई के साधन; प्रमुख नहरें; बहुउद्देशीय परियोजनाएँ; जल संरक्षण; जल-नीतियाँ
कृषि — प्रमुख फसलें (Agriculture)	9	भूमि उपयोग; कृषि के प्रकार; फसल ऋतुएँ; खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, नकदी व बागानी फसलें; हरित क्रांति; पशुपालन; कृषि नीतियाँ
खनिज — धात्विक व अधात्विक (Minerals)	10	खनिजों का वर्गीकरण; खनिज पेटियाँ; लौह अयस्क, मैंगनीज़, बॉक्साइट, ताँबा, सीसा-जस्ता, सोना; परमाणु व क्रिटिकल खनिज
ऊर्जा / शक्ति संसाधन (Power Resources)	11	कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस; तापीय, जल व परमाणु विद्युत; सौर-पवन ऊर्जा; हरित हाइड्रोजन
प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक प्रदेश (Industries)	12	स्थानीयकरण के कारक; लौह-इस्पात, वस्त्र, चीनी, सीमेंट आदि; प्रमुख औद्योगिक प्रदेश; औद्योगिक गलियारे
जनसंख्या — वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीय-ग्रामीण (Population)	13	वितरण व घनत्व; वृद्धि के चरण; लिंगानुपात; साक्षरता; नगरीकरण; प्रवास; जनांकिकीय लाभांश; जनगणना 2027

महत्वपूर्ण तथ्य: प्रत्येक अध्याय में तथ्यात्मक तालिकाओं के साथ-साथ मानचित्र, आरेख, 'संतुलित मूल्यांकन' और 'सावधानी बिंदु' जैसे खंड दिए गए हैं — तालिकाएँ व सावधानी बिंदु वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए, जबकि कारण-प्रभाव, मानचित्र व संतुलित मूल्यांकन वर्णनात्मक उत्तरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं।


ACADEMY
 New India Education by Omkar Sir

6. पाठ्यक्रम आवरण तालिका — कौन-सा अध्याय, कहाँ उपयोगी



अध्याय	प्रारंभिक (PRELIMS EXAM)	मुख्य परीक्षा (MAINS EXAM)	टिप्पणी
1. परिचय, स्थिति एवं विस्तार	आधारभूत	आधारभूत	सभी अध्यायों की पृष्ठभूमि — स्थिति, सीमाएँ, राज्य
2. भौतिक स्वरूप	हाँ	हाँ	दोनों का केंद्रीय अध्याय
3. अपवाह तंत्र	हाँ	हाँ	प्रमुख नदियाँ व अपवाह प्रतिकारक
4. झीलें एवं आर्द्रभूमियाँ	हाँ	सहायक	झीलें, आर्द्रभूमियाँ व रामसर स्थल
5. जलवायु	हाँ	हाँ	मानसून, वर्षा वितरण, जलवायु प्रदेश
6. प्राकृतिक वनस्पति	सहायक	हाँ	प्राकृतिक संसाधन
7. मृदा	सहायक	हाँ	प्राकृतिक संसाधन
8. जल संसाधन एवं सिंचाई	हाँ	हाँ	सिंचाई (प्रारंभिक); जल (मुख्य)
9. कृषि एवं फसलें	हाँ	हाँ	प्रमुख फसलें, कृषि के प्रकार व नीतियाँ
10. खनिज	हाँ	हाँ	धात्विक-अधात्विक
11. ऊर्जा	हाँ	हाँ	शक्ति संसाधन
12. उद्योग	हाँ	हाँ	औद्योगिक प्रदेश व उद्योग

अध्याय	प्रारंभिक (PRELIMS EXAM)	मुख्य परीक्षा (MAINS EXAM)	टिप्पणी
13. जनसंख्या	हाँ	हाँ	वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीकरण

क्रिकेट की भाषा में समझें

पाठ्यक्रम एक 'फ्रीलडिंग चार्ट' है और ये तरह अध्याय वे ग्यारह से अधिक खिलाड़ी जो हर कोने की रखवाली करते हैं। प्रारंभिक का हर बिंदु और मुख्य का हर बिंदु किसी न किसी 'फ्रीलडर' के पास है — कोई 'गैप' खुला नहीं। अध्याय 1 'विकेटकीपर' है, जो हर गेंद पर मौजूद रहता है।

7. संपूर्ण विषय-सूची — तरह अध्याय

नीचे प्रत्येक अध्याय के सभी मुख्य खंड और उसकी लगभग पृष्ठ संख्या दी गई है। कुल मिलाकर यह श्रृंखला लगभग 297 पृष्ठों की है, जिसमें बड़ी संख्या में मानचित्र, आरेख, प्रवाह-चित्र व चित्र शामिल हैं।

अध्याय	मुख्य खंड
1. भारत — परिचय, स्थिति एवं विस्तार	भारत नाम की उत्पत्ति एवं ऐतिहासिक पहचान • भारत का आकार एवं विश्व में स्थान • भारत की स्थिति — अक्षांशीय विस्तार • भारत की स्थिति — देशांतरीय विस्तार एवं मानक समय • भारत की लंबाई-चौड़ाई एवं इसका महत्व • भारत की स्थलीय सीमाएँ एवं पड़ोसी देश • भारत की जलीय सीमा • भारत की तटरेखा — नया मापन (2025) • भारत के द्वीप समूह • भारत और उसके सामरिक पड़ोस • राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश • भारत से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य • राष्ट्रीय प्रतीक, अन्य नाम एवं सामयिक तथ्य
2. भारत का भौतिक स्वरूप	भारत की भूगर्भिक संरचना एवं प्लेट विवर्तनिकी • भारत के तीन प्रमुख भूवैज्ञानिक विभाजन • भौतिक प्रदेशों का वर्गीकरण (6 प्रमुख प्रदेश) • हिमालय पर्वत — उत्तर-दक्षिण विभाजन (महान/मध्य/शिवालिक हिमालय) • हिमालय — पूर्व-पश्चिम क्षेत्रीय विभाजन • हिमालय की प्रमुख घाटियाँ • ट्रांस-हिमालय एवं पूर्वांचल की पहाड़ियाँ • हिमालय के प्रमुख दर्रे — विस्तृत तालिका • हिमालय के प्रमुख हिमनद — विस्तृत तालिका • विश्व व भारत की प्रमुख पर्वत चोटियाँ • उत्तर भारत का विशाल मैदान • प्रायद्वीपीय पठार — मध्य उच्चभूमि • प्रायद्वीपीय पठार — दक्कन का पठार • प्रायद्वीपीय पठार — उत्तर-पूर्वी पठार • प्रायद्वीपीय भारत की पहाड़ियाँ व राज्यवार सर्वोच्च शिखर • थार मरुस्थल (भारतीय मरुस्थल) • पश्चिमी घाट (सह्याद्रि) • पूर्वी घाट • तटीय मैदान — पश्चिमी एवं पूर्वी (राज्यवार तटरेखा सहित) • भारत के द्वीप समूह — चैनल/जलडमरूमध्य सहित • सीमावर्ती जल-भौतिक विशेषताएँ (रण, क्रीक, सेतु) • भूकंपीय क्षेत्र — नया वर्गीकरण (2025) • भारत के प्रमुख जलप्रपात (भौतिक-प्रदेशवार) • भारत के प्रमुख हिल स्टेशन (क्षेत्रवार) • भारत के अन्य उल्लेखनीय अपतटीय द्वीप • भारत में प्रवाल भित्तियाँ (Coral Reefs) • प्रमुख समुद्र तट (सी-बीच) एवं बंदरगाह • भौतिक प्रदेशों से जुड़े प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान व जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र • कार्स्ट स्थलाकृति (Karst Topography) • सावधानी बिंदु — ध्यान रखने योग्य तथ्य • भारत की प्रमुख गॉर्ज (Gorges) • याद रखने योग्य प्रमुख संख्याएँ — एक नज़र में • अतिरिक्त संकलित तथ्य
3. भारत का अपवाह तंत्र	अपवाह एवं अपवाह तंत्र — मूल अवधारणा • अपवाह प्रतिरूप (Drainage Patterns) • भारतीय अपवाह तंत्र का वर्गीकरण • हिमालयी नदियों की उत्पत्ति — इंडो-ब्रह्मा सिद्धांत • सिंधु नदी अपवाह तंत्र (Indus River System) • गंगा नदी अपवाह तंत्र (Ganga River System) • ब्रह्मपुत्र नदी अपवाह तंत्र (Brahmaputra River System) • प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र का उद्विकास • पूर्ववाही प्रायद्वीपीय नदियाँ — बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली • पश्चिमवाही प्रायद्वीपीय नदियाँ — अरब सागर में गिरने वाली • हिमालयी बनाम प्रायद्वीपीय नदियों में अंतर • भारत के प्रमुख बाँध व बहुउद्देशीय परियोजनाएँ • भारत के प्रमुख जलप्रपात • झीलें — वर्गीकरण एवं प्रमुख झीलें • आर्द्रभूमियाँ एवं रामसर स्थल (नवीनतम स्थिति) • अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद • राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (National River Linking Project — NRLP) • नमामि गंगे परियोजना — नवीनतम प्रगति •